स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १०८ वि.सं. २०८३ कार्तिक २२ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 08 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

आज डिया डेवारी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २१ कार्तिक । यी बरसके डेवारीके कुकुर पूजा ओ लक्ष्मी पूजा आज अँटवारके रोज संगे परल बा । संगे डेवारीक् डिया डेवारी फेन परल हो ।

आज साँझ्याके धनधान्यके देवी लक्ष्मी भगवानके पूजा आराधना करके श्रद्धाभक्तिपूर्वक घर-घरमे डिया बर्ना दिन परल बा । घरके सक्कु पाँजर लिपपोत करके सफासुग्घर कर्ना ओ सक्कु ठाउँमे डिया बारके लक्ष्मीके स्वागत स्वरुप डिया बर्ना दिन परल हो ।

डिया नैबारल घरमे लक्ष्मी बास नैकठैं कना् हिन्दु धर्मलम्वीहुकनमे जनविश्वास रहटी आइल बा । हिन्दु धर्म ग्रन्थके अनुसार लक्ष्मीपूजाके रातहे सुखरात्रि फेन कहजाइठ । आज साँझ्याके मूलद्वारसे लक्ष्मी स्थापना कर्ना कोठासम लालमातिसे पोटके चाउरक् पीठा ओ अबिरसे लक्ष्मीके पैलक छाप बनाके केराके बोंगामे डिया बर्ना प्रचलन बा ।

घरक् जन्नी मनैहुक्के साँझ्याके दीपावली करलपाछे लक्ष्मीके फोटोमे या मुर्तिमे गरगहना, पैसा, धान, चामल, फलफूल, रोटी ओ फूलमाला चह्राके पूजा करठै । लक्ष्मीपूजा संगे लक्ष्मीके प्रतीक मानके लौण्डीहुक्के फेन पूजा कर्ना प्रचलन बा । लक्ष्मीपूजा करलपाछे उ दिन अपन संग रहल पैसा वा अन्य पदार्थ बाहेर पठैलेसे लक्ष्मी बाहेर जैठै कना लोकोक्ति बा ।



थारू समुदायके दहित थरमे डेउटनके प्रसाद स्वरुप रहल ढिक्री लुटैटी ।

ओस्टके आज साँझ्याके लौण्डालौण्डीहुक्के समूह बनाके घरघरमे भैलो खेलके राहरंगी कर्ना फेन प्रचलन बा । सत्ययुगमे वामन अवतारके भगवान् विष्णु तीन पाउ भूमि मागल बेला दानवराज बलि भगवानहे सन्तुष्ट पारके दानवीरके अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करटी जौन घरमे यमपञ्चकमे दीपावली करजाइठ, ओकर घरमे लक्ष्मी सदा बास करही कना वर मागल ओरसे यी दिनसे लक्ष्मीपूजाके महिमा सुरु हुइल धार्मिक विश्वास बा ।

डेवारीके कार्तिक कृष्ण चतुर्दशीके दिन घरके रक्षक एवम् द्वारपालक कुकुरिन्के पूजा करके कुकुर तिहार मनैना फेन प्रचलन बा । कुकरिनहे अबिर ओ माला लगा डेना ओ कुकरिन मन पर्ना खैना चीज डेके पूजा करजाइठ् ।

कुक्कुरिनसे घरके रेखदेख तथा हेरचाह हुइना तथा चोरहुकनसे बचैना काम करके मानव जीवनहे सहयोग करटी आइल बाटै ।

वैवस्वत मन्वन्तरके कुलमे जन्मल कुकरिनसे धर्मराज युधिष्ठिरहे स्वर्ग यात्रामे समेत साथ डेहल धार्मिक विश्वास बा । कुकरिनहे आज्ञापालक ओ सुरक्षामे भरपर्ना घरपालुवा जनावरके रुपमे लेजाइठ ।

डहिट थारूहुक्के ढिक्री लुटैना

डहिट थारुहुक्के ढिक्री लुटैना आज (अँटवारके रोज) डेवारीक् डिया बरना दिनसंगे डहिट थारूहुकनके ढिक्री लुटैना तथा वितरण कर्ना दिन फेन परल बा ।

थारू समुदायमे डेउटनके प्रसाद स्वरुप रहल ढिक्रीहे आजभ्कुक् रोज बेरीजुन डहिट थारूहुक्के प्रसादके रुपमे लुटैना अर्थात वितरण कर्ना प्रचलन रहटी आइल हो ।

डहिट थारूहुक्के आज आपन डेउटनके पूजा करलपाछे आसपासके लर्का, बरवार मनैनहे बलाके ढिकरी वितरण करटी आइल बाटै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-४ उत्तरवेहडीके थारू बुद्धिजीवी तथा डहिटथारू अगुवा दलबहादुर डहिट देवी दुर्गानके पूजा तथा सम्मानके लाग ढिक्रिक् डिया बर्ना प्रचलन डहिट थारूहुकनमे रहल जानकारी डेलै । पाछे उ ढिक्रीक् बनाइल डिया प्रसाद स्वरुप आसपासके लर्कनहे बलाके तीन पटक लुटैना प्रचलन रहल उहाँ बटैलै ।

डहिट थारूहुकनमे रहल ढिक्रि लुटैना प्रथा थारू समुदायके मौलिक तथा ऐतिहासिक संस्कारके रहल बा । जौन थारू समुदायमे डेवारी मनैना टौरतरिका फरक ओ मौलिक रहल एकठो उदारण समेत रहल थारू बुद्धिजीवीहुकनके दाबी बा ।

चाडपर्वसे एकताके सूत्रमे बाँध्न प्रेरित : प्रदेश प्रमुख मियाँ

पहुरा समाचारदाता

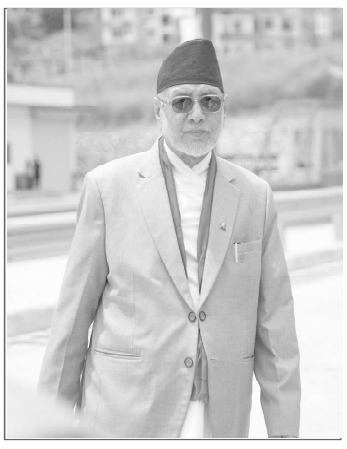
धनगढी, २१ कार्तिक । सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रदेश प्रमुख नजिर मियाँ चाडपर्वसे आपसी रिस, राग ओ द्वेष बिस्राके सक्कु नेपालीहे एकताके सूत्रमे बाँध्न प्रेरित कैना बटैले बटै ।

डेवारी, छठ पर्व २०८३ तथा नेपाल संवत् ११४७ के अवसरमे शुभकामना सन्देश जारी करटी उहाँ यैसिन पर्वहुक्के राष्ट्र ओ राष्ट्रियताप्रतिके गहिर प्रेम, सामाजिक सद्भाव तथा धार्मिक सहिष्णुता अभिवृद्धि कैना थप प्रेरणा मिले कना कामना करले बटै ।

प्रदेश प्रमुख मियाँ डेवारी ओ छठ पर्वके अवसरमे स्वदेश तथा विदेशमे र हल सक्कु नेपाली डिडीबहिनीया तथा डाडुभैयामे सुख, समृद्धि, सुस्वास्थ्य एवं दीर्घायुके कामना करले बटै ।

उहाँ डेवारीहे मानव ओ अन्य जीवजन्तुबीचके सुसम्बन्धके प्रतीकके रूपमे उल्लेख करटी काग, कुकुर, गैयालगायतके जनावर तथा गोवर्धन पर्वतके पूजा अर्चना कैना यी पर्व प्रकृति ओ जीवजन्तुप्रतिके सम्मान झल्कैना बटैले बटै ।

ओजरार पर्व एवं दीपावलीके रूपमे समेत चिन्हा डेवारीसे आपसी सद्भाव अभिवृद्धि कैनाके साथे मौलिक संस्कृतिके पुस्तान्तरणमे महत्वपूर्ण योगदान पुगैटी आइल उहाँ उल्लेख करले बटै ।



ओस्टेक करके, राष्ट्रिय विभूति शङ्खधर साख्वासे प्रवर्तन करल नेपाल संवत् नेवार समुदायके मौलिक संस्कृति ओ परम्परासंग जोरल उल्लेख करटी उहाँ नयाँ वर्षके रूपमे मनैना यी संवत्से सांस्कृतिक पहिचानके संरक्षणमे योगदान पुगाइल बटैले बटै ।

छठ पर्वसेफे धार्मिक तथा सांस्कृतिक विविधताबीच एकता ओ सद्भाव कायम कैना महत्वपूर्ण भूमिका खेल्टी आइल उहाँक कहाई बा ।

यी चाडपर्वसे विश्वके टमान स्थानमे छरल रहल नेपालीहुकनबीच आपसी सद्भाव, सहिष्णुता, भ्रातृत्व एवं पारस्परिक सहयोगके भावना थप प्रगाढ बनैना विश्वाससमेत उहाँ व्यक्त करले बटै ।

गेटामे शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके निर्णयउप्पर छानबिन हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २१ कार्तिक । कैलालीके गेटास्थित शहीद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयहे एमबीबीएस लगायत शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन कैना अनुमति डेना ओ सिट संख्या निर्धारण कैना प्रक्रियाउप्पर छानबिन हुइल बा ।

विश्वविद्यालयहे शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके अनुमति डेना क्रममे निर्धारित मापदण्ड पूरा हुइल-नैहुइल ओ निर्णय प्रक्रियामे स्वार्थ बाझ्लके विषयमे छानबिन कैना सरकार ओ डा. गोविन्द केसीबीच सहमति हुइल हो ।

डा. केसीसे अपन २५औं सत्याग्रह अन्त्य कैना क्रममे सरकारसँगे ६ बुँदे सहमति करल बटै ।

सहमतिअनुसार प्रा. डा. रमेशप्रसाद आचार्यके संयोजकत्वमे पाँच सदस्यीय छानबिन समिति गठन करल बा । समितिसे सरकारहे प्रतिवेदन बुझाइल बा । प्रतिवेदनके सिफारिस कार्यान्वयन हुइलपाछे चिकित्सा शिक्षा साझा प्रवेश परीक्षामे उत्तीर्ण विद्यार्थीके म्याचिङ करल बा ।

शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालनके अनुमति डेहटी मापदण्ड पूरा नैहुइलके ओ स्वार्थकेन्द्रित निर्णय हुइल पाइलमे संलग्न चिकित्सा शिक्षा आयोग ओ विश्वविद्यालयके पदाधिकारीहे कारबाही करल सहमतिमे उल्लेख बा ।

ओस्टेक, दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ऐनमे पदाधिकारीके योग्यता ओ नियुक्तिसम्बन्धी व्यवस्था संशोधन करके दुई साताभिटर मन्त्रिपरिषदसे अध्यादेश जारी कैना सहमति हुइल बा । ओकरपाछे लावा पदाधिकारी नियुक्तिके प्रक्रिया तत्काल आघे बह्ल सहमतिमे उल्लेख बा ।

ऐन संशोधन करके डा. केसी डेहल सुझावसमेत समेटना जनैले बा । सरकारसे डा. केसीके २४औं सत्याग्रहके क्रममे गत सावन ११ गते हुइलके सहमतिके कार्यान्वयन हुइना बाँकी बुँदा अक्षरशः पालना केना प्रतिबद्धता फे जनैले बा । डडेल्धुरा, इलाम ओ उदयपुरमे सरकारी मेडिकल कलेज ओ स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान स्थापना कैना बजेट विनियोजन ओ पूर्वाधार विकासहे प्राथमिकता डेना ओ बर्दिबासमे मेडिकल कलेज स्थापना ओ सञ्चालनके काम तत्काल आघे बह्ल सहमति हुइल बा ।

सहमति कार्यान्वयनके अनुगमन कैना शिक्षा ओ खेलकुदमन्त्रीके प्रमुख सल्लाहकार शैलेन्द्र झा,(बाँकी, ४ पेजमे)



स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

.....सम्पादकीय

डिया डेवारीक शुभकामना

शान्ति ओ समृद्धिके सैचिन डेवारी हिन्दू धर्मलम्वी तथा समस्त नेपालीहुकनके घर अंगनामे मचल रौनक डसिया ठनसे डेवारीसम कायमे रहल बा । सक्कुओहोर चैनार बा । रौनक छाँइल बा । डेवारी टिहुवार रंगीचंगी, भातृत्वसहित ढिउर कारणसे ऐतिहासिक ओ विशेष मानजाइठ । सत्ययुगमे वामन अवतारके भगवान विष्णुसे ३ पाउ भूमि दानवराज बलि राजासे मागल रहिट । भगवानहे सन्तुष्ट पारेक लाग उहाँ उ माँगन फेन पूरा करके दानवीरके अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करल रहिट । कलान्तरसे उहाँके सम्झनामे यमपञ्चकमे दीपावली करटी आगिल बा । जौन डेवारीके ऐतिहासिक पक्ष हो । डेवारी मौसमी हिसाब ओ समृद्धि तथा ओजरारसे जोरल टिहुवार फेन हो । यी बेला न ढिउर घाम न ढिउर ठण्डी रहलओरसे फेन डेवारीमे मौसमी अनुकुलता ठिक मानजाइठ ।

नेपालीहुकनके महान पर्व शुभ डेवारीमे शान्ति अमनचयन छाए कौनौ अप्रिय घटना नघटे कना उद्देश्यके साथ कैलालीमे महारात सम नाचगान तथा देउसी भैलो खेले नइपैना जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलाली कहले बा । डेवारीमे बिस्पोटक पदार्थ समेत बिक्री बितरण तथा प्रयोग नइकैना जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलाली अनुरोध करले बा । बिस्पोटक पदार्थसे मानविय क्षति आगलागी जैसिन घटना हुइना ओरसे उ बिक्री बितरण तथा ओसार पसार ओ प्रयोग नइकैना नइकरैना अनुरोध करले बा ।

मादक पदार्थ लगायतके नशालु पदार्थ सेवन करके पर्वके समयमे सार्वजनिक स्थलमे होहल्ला, झैझगडा जैसिन कार्य करके शान्ति सुरक्षाहे असर पर्ना कौनोफे कार्य करे नइपैना कहल बा । देउसी भैलोमे दक्षिणाके लाग रकम तोक्के दक्षिणा डेना दबाब नइडेना ओ देउसी भैलो लगायतके कौनोफे कार्यक्रम करेबारे सार्वजनिक यातायात ओ जनजीवनहे असर पर्ना कौनोफे गतिविधि नइकैना अनुरोध करल बा । हर्ष, खुसयाली, शान्ति ओ समृद्धिके सैचिन तथा प्रतीकके रुपमे रहल यी बरसके डेवारी टिहुवारके अवसरमे हमार सक्कु पाठक वर्ग, विज्ञापनदाता, शुभचिन्तकलगायत समस्त नेपाली डाडुभैया, डिडीबहिनियाहुकनमे मैगर शुभकामना व्यक्त करटी । अन्तमे, कौनो फेन टर-टिहुवार केक्रो डेखासिखीमे नाई, आपन क्षमता अनुसार मनाई । आपन स्वास्थ्य अवस्थाहे ख्याल करके खानपानके सगेना लगाई ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनः ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

समुदायस्तरके विवाद निरूपण

विचार
डा. मीनबहादुर शाही

नेपालके संविधान, २०७२ से परिकल्पना करल संघीय पुनर्संरचना अन्तर्गत स्थानीय तहहे संवैधानिक रूपमे न्यायिक अधिकार प्रदान करल बा । संविधानके धारा २१७ से प्रत्येक नगरपालिका ओ गाउँपालिकामे उपप्रमुख वा उपाध्यक्षके संयोजकत्वमे न्यायिक समिति गठन करना व्यवस्था करल बा । यकर मुख्य उद्देश्य स्थानीयस्तरमे उत्पन्न हुइना विवाद तथा बेमेलके घटनाहे सहज, हलि ओ कम खर्चिलो प्रक्रियासे समाधान कैके नागरिकके न्यायमे पहुँच सुनिश्चित करना हो । न्यायिक समिति स्थानीय तहके न्यायपालिका नाइहो ।

नेपालके संविधानसे न्यायपालिका अन्तर्गत जिल्ला, उच्च ओ सर्वोच्च कैके तीन तहके अदालतके व्यवस्था करल बा । न्यायिक समिति स्थानीयस्तरमे विवाद निरूपण करना महत्वपूर्ण संस्थागत संयन्त्र हो । निरूपण कनाके कौनो विषयमे गहन विचार कैके समाधानमे पुग्ना कना बुझ्जाइठ । स्थानीय तहके सन्दर्भमे यकर आशय मुख्यतः मेलमिलापके माध्यमसे विवाद समाधान करना हो । यकर अर्थ न्यायिक समितिहे अदालत सरह मुद्दाके फैसला करना अधिकार प्रदान करल हो कना कदापि नाइहो । टबेमारे राज्यसे अवलम्बन करल नीति तथा संवैधानिक प्रावधान अनुसार स्थानीयस्तरमे उत्पन्न हुइना विवादहे कानुनसे निर्धारण करल अधिकारक्षेत्रभित्रे रहीके मेलमिलाप तथा अन्य उपयुकत प्रक्रियासे समाधान करना न्यायिक समिति क्रियाशील हुइना अपेक्षा करल बा ।

विकेन्द्रीकरणमार्फत समुदायस्तरमे उत्पन्न हुइना छोट विवादके व्यवस्थापन कैके नागरिकके न्यायमे पहुँच सहज हुइना, उपलब्ध स्रोतसाधनके प्रभावकारी उपयोग हुइना, जवाफदेहिता अभिवृद्धि हुइना ओ नागरिकके कल्याणमे सुधार अइना राजनीतिक आर्थिक अवधारणामे यी व्यवस्था आधारित बा । न्यायमे सर्वसाधारणके सहज पहुँच सुनिश्चित करना मुख्यतः तीन ठो पक्ष आवश्यक रहठ । पहिल, हलिसे हलि ओ सहज रूपमे न्याय प्राप्त करे सेक्ना संस्थागत संरचना हुइ परठ । दोसर, न्याय प्राप्तिके लाग लग्ना खर्च न्यून हुइ परठ । तेसर, न्याय निष्पक्ष ओ स्वच्छ प्रक्रियासे प्राप्त हुइना सुनिश्चितता हुइ परठ । अर्थात्, न्याय सम्पादन करना विधि तथा प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायोचित ओ प्रभावकारी हुइ परठ ।

यी संवैधानिक व्यवस्थाहे स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ के दफा ४७(१) ओ ४७(२) से कार्यान्वयन करटि न्यायिक समितिहे तोकल विवादके निरूपण तथा मेलमिलाप करैना अधिकार प्रदान करल बा । उ ऐनसे न्यायिक समितिके अधिकारक्षेत्र, कार्यविधि ओ विवाद समाधान प्रक्रियाहे स्पष्ट करटि मेलमिलाप, सहमति ओ सरल प्रक्रियाहे प्राथमिकता डेहल बा । यी व्यवस्थाके मूल मान्यता कलेक सीमित वित्तीय, मानवीय तथा संस्थागत स्रोतसाधनके प्रभावकारी परिचालनमार्फत स्थानीय सरकारसे संविधानके मर्म अनुरूप न्यायसेवा प्रदान करना हो । संघीयतापाछे स्थानीय सरकारहे प्राप्त यी विशेष जिम्मेवारी प्रभावकारी रूपमे निर्वाह करना आवश्यक बा ।

कार्यसम्पादनके अवस्था

न्यायिक कार्यसम्पादनसमेतहे समोटके स्थानीय सरकारके दोसर कार्यकाल समाप्तिओर उन्मुख होके स्थानीय तहमे विवाद निरूपण तथा न्यायिक सेवा प्रवाहके करिब एक दशकके अनुभव प्राप्त हुइल बा । तथापि व्यवहारमे स्थानीय न्याय सेवा प्रवाह जटिल राजनीतिक तथा संस्थागत परिवेशसे प्रभावित हुइल डेखाइठ । प्रारम्भिक चरणमे न्यायिक समितिके भूमिका, जिम्मेवारी ओ अधिकारक्षेत्रबारे स्पष्ट बुझाइके अभावके कारण धेर स्थानीय तहसे अदालतके अभ्यासके अनुकरण करटि न्यायिक समितिके लाग इजलास निर्माण करल पाजाइठ मने उमध्ये कुछ इजलास प्रयोगविहीन होके बन्द कोठामे परिणत हुइल उदाहरणसमेत बा ।

> यी पङ्क्तिकारके संलग्नतामे बर्दिया जिल्लाके राजापुर नगरपालिकामे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे करल न्यायिक समितिके कार्यसम्पादनसम्बन्धी अध्ययनहे उदाहरणके रूपमे लेहे सेक्जाइ । उ अध्ययनसे राजापुर नगरपालिकाके न्यायिक समितिसे स्थानीय समुदायमे विवाद समाधान प्रक्रियाहे सहज, हलि ओ किफायती बनैना योगदान पुगैना डेखाइल बा । उ अध्ययनसे कानुनी जनशक्तिके अभाव, पर्याप्त सुनुवाइ कक्षके कमी, प्रक्रियागत जटिलता, मेलमिलापकर्ताके क्षमता तथा निष्पक्षतासम्बन्धी चुनौती ओ अनौपचारिक भुक्तानीके प्रभावकारी निगरानीके अभाव जस्टे संस्थागत समस्यासमेत पहिचान करल बा । यी चुनौती सम्बोधन करना कानुनी सल्लाहकार वा दक्ष कानुनी जनशक्तिके व्यवस्था, भौतिक पूर्वाधारमे सुधार, निवेदन प्रक्रियाके सरलीकरण, मेलमिलापकर्ताहे नियमित तालिम, नागरिकके कानुनी सचेतना अभिवृद्धि तथा डिजिटल मुद्दा व्यवस्थापन प्रणालीके विकास ओ कार्यान्वयन आवश्यक डेखाइठ ।

न्यायिक समितिके कानुनी संरचना तथा वर्णनात्मक कार्यसम्पादन सूचकके विश्लेषणमे केन्द्रित बा । परिणामस्वरूप स्थानीय न्यायसेवा प्रवाहके वास्तविक दक्षता, विवाद समाधानमे लग्ना समय समयक्रमसँगे न्यायिक समितिके जिम्मेवारी ओ अधिकारक्षेत्रबारे बुझाइ विस्तार होके यकर कार्यसम्पादनमे फेन क्रमिक रूपान्तरण डेखाइ लाल बा । यद्यपि नेपालके संविधान ओ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ से स्थानीयस्तरमे विकेन्द्रीकृत न्याय प्रणालीके अभ्यासके लाग स्पष्ट कानुनी आधार प्रदान करलेसे फेन स्थानीय तहसे यी व्यवस्थाहे व्यवहारमे कुछ प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन करल बा कना विषयमे पर्याप्त अनुभवजन्य प्रमाण उपलब्ध नैहो ।

नगरपालिका महासंघसे न्यायिक समितिके असल अभ्यासके सम्बन्धमे करल अध्ययन-२०७७ अनुसार न्यायिक समितिमे टमान प्रकृतिके विवाद अइना करल बा । उमध्ये सम्बन्धविच्छेद, पारिवारिक झगडा, घरजग्गाके साँध-सिमानासम्बन्धी विवाद, औरेक जग्गामे अनधिकृत रूपमे घर तथा अन्य संरचना निर्माण करना, जग्गा मिच्न, मदिरा सेवन कैके कुटपिट करना, गालीबेइज्जती करना, पतिपत्नीबिचके विवाद, सापटी लेके रकमसम्बन्धी विवाद तथा ज्येष्ठ नागरिकके पालनपोषणसम्बन्धी विवाद प्रमुख बा । यकर अतिरिक्त, कानुनबमोजिम न्यायिक समितिसे निरूपण करेपरना अन्य प्रकृतिके विवादसमेत अइना करल बा । विवादके प्रकृति ओ समाधान प्रक्रियामे रहल यी विविधतासे न्यायिक समितिके पदाधिकारीके तथा लागत, सेवाग्राहीके अनुभव ओ संस्थागत क्षमताके प्रभावकारिताबारे गहन विश्लेषण सीमित बा । विशेषतः स्थानीय न्याय सेवा प्रवाहमे शासन व्यवस्था, राजनीतिक प्रभाव, संस्थागत क्षमता तथा स्थानीय राजनीतिक आर्थिक सम्बन्धसे परना प्रभावके पर्याप्त अनुभवजन्य विश्लेषण हुइना बाँकी बा । यी सन्दर्भमे न्यायिक समितिके कार्यसम्पादनहे कानुनी व्यवस्था ओ औपचारिक उपलब्धिके आधारमे किल नाइहोके यकर व्यावहारिक प्रभावकारिता, संस्थागत चुनौती तथा राजनीतिक आर्थिक परिवेशसँगके अन्तरसम्बन्धके आधारमे समेत विश्लेषण करना आवश्यक डेखाइठ ।

नीति अनुसन्धान प्रतिष्ठानसे विसं २०८१ मे तयार पारल 'विवाद समाधानमे न्यायिक समितिके भूमिका : एक सिंहावलोकन' शीर्षकके सोचपत्रसे न्यायिक समितिके कार्यसम्पादनके अवस्था विश्लेषण करटि यकर क्षमता अभिवृद्धिके लाग टमान सुझाव प्रस्तुत करल बा । उ सोचपत्रसे न्यायिक समितिके अधिकारक्षेत्र, संगठन संरचना ओ कार्यविधिमे रहल अस्पष्टता हटैना विद्यमान कानुनके पुनरवलोकन तथा आवश्यक संशोधन करेपरनामे जोड डहल बा । साथे न्यायिक समितिहे मेलमिलापमार्फत स्थानीय विवाद समाधान करना प्रभावकारी संयन्त्रके रूपमे विकास करना पर्याप्त बजेट, दक्ष जनशक्ति ओ सचिवालयके व्यवस्था करेपरना, मेलमिलापकर्ताके क्षमता अभिवृद्धि करेपरना, नागरिकमे कानुनी सचेतना विस्तार करेपरना तथा प्रहरी ओ प्रशासनसँग समन्वय बह्राइपरना सुझाव डेहल बा । स्थानीयस्तरमे उत्पन्न हुइना विवादके प्रकृति अनुसार न्यायिक समितिके क्षेत्राधिकार पुनरवलोकन करेपरना विषयहे फेनउ सोचपत्रसे महत्व डेहल बा ।

यी पङ्क्तिकारके संलग्नतामे बर्दिया जिल्लाके राजापुर नगरपालिकामे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ मे करल न्यायिक समितिके कार्यसम्पादनसम्बन्धी अध्ययनहे उदाहरणके रूपमे लेहे सेक्जाइ । उ अध्ययनसे राजापुर नगरपालिकाके न्यायिक समितिसे स्थानीय समुदायमे विवाद समाधान प्रक्रियाहे सहज, हलि ओ किफायती बनैना योगदान पुगैना डेखाइल बा । उ अध्ययनसे कानुनी जनशक्तिके अभाव, पर्याप्त सुनुवाइ कक्षके कमी, प्रक्रियागत जटिलता, मेलमिलापकर्ताके क्षमता तथा निष्पक्षतासम्बन्धी चुनौती ओ अनौपचारिक भुक्तानीके प्रभावकारी निगरानीके अभाव जस्टे संस्थागत समस्यासमेत पहिचान करल बा । यी चुनौती सम्बोधन करना कानुनी सल्लाहकार वा दक्ष कानुनी जनशक्तिके व्यवस्था, भौतिक पूर्वाधारमे सुधार, निवेदन प्रक्रियाके सरलीकरण, मेलमिलापकर्ताहे नियमित तालिम, नागरिकके कानुनी सचेतना अभिवृद्धि तथा डिजिटल मुद्दा व्यवस्थापन प्रणालीके विकास ओ कार्यान्वयनमे प्राथमिकता डेहे परठ । यिहिनसे न्यायिक समितिके संस्थागत क्षमता ओ कार्यसम्पादनमे सुधार नान्के स्थानीयस्तरमे न्यायमे पहुँच तथा सुशासन अभिवृद्धि करे सेक्जाइ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

निष्कर्ष

नेपालके संघीय शासनव्यवस्थामे न्यायिक समिति स्थानीय समुदायमे उत्पन्न हुइना विवादहे सहज, हलि, कम खर्चिलो ओ मेलमिलापमुखी प्रक्रियासे समाधान करना महत्वपूर्ण संस्थागत संयन्त्र हो । संविधान ओ कानुनसे प्रदान करना अधिकारके प्रभावकारी कार्यान्वयन हुइ सेकलमे यिहिनसे सर्वसाधारणके न्यायमे पहुँच विस्तार करनाके साथे स्थानीय सरकारप्रतिके विश्वास ओ जवाफदेहिता अभिवृद्धि करे सेकि । राजापुर नगरपालिकामे करल अध्ययनसे फेन न्यायिक समितिमार्फत स्थानीय विवाद समाधान कैके सेवाग्राहीके समय ओ खर्च बचत हुइनाके साथे न्यायमे पहुँच सहज हुइल डेखाइठ ।

आबके आवश्यकता न्यायिक समितिहे अदालतके प्रतिरूप बनैना नाइहो, बरु यकर संवैधानिक मर्म अनुसार स्थानीय विवाद निरूपण तथा मेलमिलापके सक्षम, निष्पक्ष ओ विश्वसनीय संयन्त्रके रूपमे विकास करना हो । यकर लाग स्थानीय सरकारसे दक्ष कानुनी जनशक्ति तथा आवश्यक स्रोतसाधनके व्यवस्था, पदाधिकारी ओ मेलमिलापकर्ताके नियमित क्षमता विकास, नागरिकके कानुनी सचेतना अभिवृद्धि, सरोकारवाला निकायबिच समन्वय तथा डिजिटल मुद्दा व्यवस्थापन प्रणालीके विकास ओ कार्यान्वयनमे प्राथमिकता डेहे परठ । यिहिनसे न्यायिक समितिके संस्थागत क्षमता ओ कार्यसम्पादनमे सुधार नान्के स्थानीयस्तरमे न्यायमे पहुँच तथा सुशासन अभिवृद्धि करे सेक्जाइ ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतबन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४४०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९३४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०९९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-४१३२२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-४२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२२२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठनः ४२३६६४
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४४०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
ढमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३२९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-४२३९९८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ज्ञानुल्ला०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४११४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

सातु प्रदेशके अर्थमन्त्रीके साझा माग

अनुदान कटौती रोक्के अधिकार हस्तान्तरण करी

पहुरा समाचारदाता

सुर्खेत, २१ कार्तिक । सातु प्रदेशके अर्थमन्त्रीहुक्रे संघीय सरकारसे उपलब्ध करैना वित्तीय समानीकरण अनुदान शतप्रतिशत हस्तान्तरण कैना माग करले बटै । बजेटमे विनियोजन हुइटी रहल अनुदानसमेत राजस्व संकलनमे कमी आइल कारण डेखैटी बीचमे कटौती कैना प्रवृत्ति अन्त्य कैना ओइने संघीय सरकारके ध्यानाकर्षण करैले बटै ।

कर्णाली प्रदेशके राजधानी वीरेन्द्रनगरमे सोम्मार सम्पन्न प्रदेश आर्थिक मामिला परिषद्के बैठकसे वित्तीय संघीयताके प्रभावकारी कार्यान्वयन, प्रदेशके अधिकार सुदृढीकरण ओ सार्वजनिक वित्तीय व्यवस्थापनके विषयमे साझा प्रतिबद्धता जारी करटी संघीय सरकारसमक्ष टमान माग आघे सार हो ।

१६ कार्तिक २०८३ मे जारी प्रतिबद्धतापत्रमे वित्तीय समानीकरण अनुदानके संवैधानिक सुनिश्चितता, प्रदेशके एकल अधिकार क्षेत्रमे संघीय हस्तक्षेपके अन्त्य, राजस्व बाँडफाँटमे प्रदेशके हिस्सा वृद्धि ओ प्रदेशमे हस्तान्तरण हुइल आयोजनाके लाग पर्याप्त बजेट उपलब्ध कराईपर्ना विषयहे प्राथमिकता डेहल बा ।

प्रदेशसे सशर्त अनुदानके हिस्सा घटाके वित्तीय समानीकरण अनुदान बह्राईपर्ना माग करले बटै । संघीय सरकारसे छोट-छोट आयोजना सञ्चालन करटी प्रदेश ओ स्थानीय तहके अधिकार क्षेत्रमे हस्तक्षेप कैना प्रवृत्ति अन्त्य करेपर्ना ओइनके माग बा ।

आयोजना वर्गीकरणके आधार ओ मापदण्डअनुसार संघीय सरकारसे अपन कार्यक्षेत्रके आयोजना केल्ह सञ्चालन कैना ओ अन्य आयोजना प्रदेश तथा स्थानीय तहसे कार्यान्वयन हुइना व्यवस्था मिलैना प्रतिबद्धतापत्रमे उल्लेख बा ।

ओस्टे, मूल्य अभिवृद्धि कर (भ्याट) ओ अन्तःशुल्क बाँडफाँटमे प्रदेश तथा स्थानीय तहके हिस्सा बह्रैना सिफारिस करेपर्ना माग करल बा । नदीजन्य पदार्थ, वन तथा जलविद्युतके रोयल्टी बाँडफाँटमे प्रभावित टरेक तटीय प्रदेशके अधिकार न्यायोचित रूपमे सुनिश्चित करेपर्ना प्रदेशहुकनके माग बा ।

ट्राफिक जरिवानासे संकलित शतप्रतिशत राजस्व प्रदेश सरकारसे पैना कानुनी व्यवस्था करेपर्ना ओ सवारीसाधन दर्ता हुइल प्रदेशमे सवारी कर दाखिला हुइना प्रणाली विकास करेपर्नाफे ओइने बटैले बटै ।



चालक अनुमतिपत्र नवीकरण करेबेर सेवा शुल्क कटाके बाँकी राजस्व अनुमतिपत्र जारी कैना प्रदेशमे दाखिला हुइना करके प्रणाली अद्यावधिक करेपर्ना प्रतिबद्धतापत्रमे उल्लेख बा ।

प्रदेशके अधिकार क्षेत्रमे संघीय हस्तक्षेप रोक्न माग

सातु प्रदेशसे अपन एकल अधिकार क्षेत्रभिटर संघीय सरकारसे स्थापना करल डिभिजन तथा आयोजना कार्यालय तत्काल खारेज करके प्रदेश सरकारहे हस्तान्तरण कैना माग करले बटै ।

संघसे प्रदेशमे हस्तान्तरण हुइल मने बजेट अभावके कारण अधुरा रहल आयोजना सम्पन्न कैना संघीय सरकारसे पर्याप्त बजेट विनियोजन करेपर्ना ओइनके माग बा ।

नेपाल प्रहरी ओ प्रदेश प्रहरीसम्बन्धी ऐनअनुसार प्रदेश प्रहरी समायोजन प्रक्रिया अविलम्ब आघे बह्रैना तथा संघीय निजामती सेवा ऐन तत्काल जारी कैनाफे प्रदेशहुक्रे माग करले बटै ।

प्रादेशिक पूर्वाधार निर्माणके लाग आवश्यक जग्गा प्राप्ति, वन क्षेत्रके प्रयोग ओ रूखुवा कटानके स्वीकृति डेना अधिकार प्रदेशहे प्रत्यायोजन करेपर्ना प्रतिबद्धतापत्रममे उल्लेख बा ।

प्रदेशके प्राथमिकताप्राप्त आयोजनामे वैदेशिक सहायता ओ आन्तरिक ऋण परिचालन कैना प्रक्रिया सरल तथा पारदर्शी बनाईपर्ना मागसमेत करल बा । सातु प्रदेशमे सवारीसाधन फिटनेस परीक्षण केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालनके पूर्ण जिम्मेवारी प्रदेश सरकारहे हस्तान्तरण कैनाफे ओइने आग्रह करले बटै ।

अनुदान वितरणके सूत्र परिमार्जन कैना माग

प्रदेशहुक्रे राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगसे अनुदान वितरण करेबेर प्रदेशके वास्तविक खर्च आवश्यकता, जनसंख्या, मानव विकास सूचकांक, राजस्व क्षमता तथा भौगोलिक ओ वातावरणीय विशिष्टताहे आधार बनाईपर्ना बटैले बटै ।

यी सूचकहे समेटके अनुदान वितरणके सूत्र परिमार्जन करेपर्ना ओइनके माग बा ।

संघीयता कार्यान्वयनके करिब एक दशकके अनुभवमे आधारमे वित्तीय संघीयतासँग सम्बन्धित कानुन परिमार्जन करके संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहबीच वित्तीय अधिकार तथा दायित्व स्पष्ट पारेपर्ना प्रतिबद्धतापत्रमे उल्लेख बा ।

प्रदेशसे वार्षिक बजेट प्रस्तुत कैनासेफे कम्तीमे तीन महिना आघे पूर्वबजेट परामर्श कैना प्रतिबद्धतासमेत जनैले बटै । नतिजामे ाधारित बजेट प्रणाली विकास कैना, बेरुजु फछ्र्योटहे प्रभावकारी बनैना ओ बजेट तथा लेखा व्यवस्थापनके डिजिटल प्रणालीमे हुइल असल अभ्यास आदानप्रदान कैना सहमति हुइल बा ।

यकर लाग प्रदेश मन्त्रालयगत बजेट सूचना प्रणाली (पीएलएमबीआईएस), स्थानीय तहके बजेट प्रणाली (सूत्र) ओ सरकारी लेखा प्रणाली (सीजीएएस) के असल अभ्यास उपयोग कैना विषयफे समेटल बा ।

दोहोरो भूमिका हुइल वा न्यूनतम कार्यजिम्मेवारी रहल प्रदेशके निकायहे गभ्ना वा खारेज करके प्रशासनिक खर्च घटैना ओ सार्वजनिक सेवा प्रवाहहे चुस्त बनैना प्रतिबद्धताफे प्रदेशसे करले बटै ।

अन्तरप्रदेश व्यापार ओ विपद् व्यवस्थापनके सहकार्य

बैठकसे प्रदेशबीचो सहकार्य ओ साझेदारीहेफे प्राथमिकता डेहल बा । अन्तरप्रदेश व्यापार तथा लगानी प्रवर्द्धनके लाग वस्तु तथा सेवाके आवागमनमे लग्ना दोहोरो कर, शुल्क ओ प्रशासनिक झन्झट हटैना सहमति हुइल बा ।

ओस्टे, प्रदेशके आर्थिक ऐनमे सामञ्जस्यता कायम कैना, दुई वा उहीसे ढेर प्रदेश हुके बहना साझा लडियासे ढुंगा, गिट्टी ओ बालुवाके अनियन्त्रित दोहन रोक्न तथा प्राकृतिक स्रोतके दिगो उपयोग ओ राजस्व बाँडफाँटके स्पष्ट मापदण्ड बनैना प्रतिबद्धता करल बा ।

बाढ, पहिरो, शीतलहर ओ आगलागीजैसिन विपद्के बेला अन्तरप्रदेश धुत प्रतिक्रिया टोली परिचालन कैना तथा संयुक्त विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना कैना विषयफे प्रतिबद्धतापत्रमे समेटल बा ।

प्रदेशहे आर्थिक रूपमे आत्मनिर्भर बनैना आन्तरिक राजस्वके दायरा विस्तार, राजस्व चुहावट नियन्त्रण ओ बक्यौता असुलीहे प्रभावकारी बनैना सहमति हुइल बा । भ्रष्टाचारमे शून्य सहनशीलता अपनैना, बेरुजु न्यूनीकरण कैना, प्रशासनिक खर्चमे मितव्ययिता कायम कैना ओ बजेट खर्च कैना क्षमता बह्रैना विषयमेफे साझा धारणा बनल बा ।

सबल संघीयताके लाग स्थानीय तहसँग सारभूत सहकार्य कैना, ओइनके क्षमता विकासमे सहयोग कैना ओ आवश्यकतामे आधारित वित्तीय हस्तान्तरणहे प्रभावकारी बनैना प्रतिबद्धता प्रदेशसे जनैले बटै ।

संघीयताविरुद्ध फैलैना भ्रम ओ चुनौतीके प्रतिवाद कैना दलीय तथा व्यक्तिगत स्वार्थसे उप्पर उठके साझा प्रादेशिक धारणा प्रस्तुत कैना निर्णयसमेत हुइल बा । प्रदेशके आर्थिक अधिकारके विषयमे संघीय सरकार ओ स्थानीय तहसँग संवाद, पैरवी तथा समन्वयहे प्रभावकारी बनैना ओइनके प्रतिबद्धता बा ।

बैठकसे प्रदेश सरकार स्थापना हुइलठेनसे हालसम आर्थिकलगायतके क्षेत्रमे हासिल करल महत्वपूर्ण उपलब्धिके विवरण तयार कैना निर्णयफे करले बा । उ विवरण कोशी प्रदेशके आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालयस परिषद्के आगामी बैठकमे प्रस्तुत कैना बा ।

कर्णाली प्रदेशके आर्थिक मामिला तथा योजनामन्त्री टेकराज पछाईके अध्यक्षतामे सम्पन्न बैठकसे परिषद्के अध्यक्षता कोशी प्रदेशके आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालयहे हस्तान्तरण कैना निर्णय करले बा । परिषद्के आगामी बैठक कोशी प्रदेशमे आयोजना कैना मन्त्री पछाई जानकारी डेलै ।

अन्तर्राष्ट्रिय

डिसेम्बरमे स्वदेश फर्कना हसिनाके अडान

काठमाडौं, २१ कार्तिक । बंगलादेशके पूर्वप्रधानमन्त्री शेख हसिना अपनहे मृत्युदण्डके सजाय सुनैलेसे फेन आगामी डिसेम्बरमे स्वदेश फर्कना अडान दोहोऱ्यइले बटि । सन् २०२४ के विद्यार्थी आन्दोलनसे सत्ताच्युत हुइलपाछे भारतमे निर्वासनमे रहल उहाँ गिरफ्तारी, जेल ओ यातनाके सम्भावना रलेसे फेन निर्णय परिवर्तन नैहुइना बटैले बटि ।

प्रदर्शनकारीउप्पर हुइल घातक दमनके लाग जिम्मेवार ठहर करटि सन् २०२५ मे विशेष न्यायाधिकरणसे हसिनाहे मानवताविरुद्धके अपराधमे मृत्युदण्ड सुनैले रहे । संयुक्त राष्ट्रसंघके प्रतिवेदनअनुसार उ घटनामे करिब एक हजार ४०० जहनके मृत्यु हुइल रहे ।

हसिना भर आरोप अस्वीकार करटि फैसलाके वैधताउप्पर प्रश्न उठैले बटि । बंगलादेशसे कैचो सुपुर्दगी मग्लेसे फेन भारत उहाँहि हस्तान्तरण करले नैहो ।

एसोसिएटेड प्रेस (एपी) हे इमेलमार्फत जवाफ डेटि उहाँ अपन देशके माटिमे ओ जनताबीच मरे चाहल बटैले बटि । स्वदेश फर्कलपाछे अप्ने गिरफ्तार, यातना वा हत्याके जोखिममे परे सेक्ना उहाँक कहाइ बा ।

हसिना सत्ताच्युत हुइलपाछे मुहम्मद युनुस नेतृत्वके अन्तरिम प्रशासनसे १८ महिना शासन करले रहे । गैल फेब्रुअरीमे हुइल निर्वाचनसे खालिदा जियाके छावा तारिक रहमान सत्तामे आइल रहैं । उ निर्वाचनमे हसिनाके अवामी लिगहे सहभागी हुइना प्रतिबन्ध लगाइल रहे ।

हसिना सन् २०२४ के अगस्टयते अपन पार्टीके कम्तीमे २० हजार सदस्य मारल तथा हजारौं पत्राउ, यातना ओ विस्थापनमे परल आरोप लगैले बटि । उहाँ देशमे सामान्य राजनीतिक तथा लोकतान्त्रिक वातावरण नैरहल दाबी करले बटि । सरकार भर पत्राउके घटनामे कानुनी आधार रहल बटैले बा ।

विदेशी शक्तिके सहयोग वा अनुमति लेके किल स्वदेश फर्केपरना अवस्था नैरहल बटैटि हसिना बंगलादेशमे कट्टरपन्थी समूहके प्रभाव बह्रलमे चिन्ता व्यक्त करले बटि ।

अन्तर्राष्ट्रिय अधिकारवादी संस्था फेन कट्टरपन्थी समूहके बह्रल प्रभाव ओ अल्पसंख्यकउप्परके धम्कीप्रति चिन्ता जनैटि आइल बा । युनुस नेतृत्वके अन्तरिम सरकार भर अइसिन आरोप अस्वीकार करले रहे । वर्तमान सरकारसे बिग्रल कानून तथा व्यवस्थाके अवस्थाहे लेके आलोचना खेपल बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

आवास निर्माणके पहिल किस्ता निकासा

पहुरा समाचारदाता

रुकुमपश्चिम, २१ कार्तिक । रुकुमपश्चिममे जाजरकोट भूकम्पसे क्षति हुइलके निजी आवास पुनर्निर्माणके लग पहिल किस्ताबापतके रकम निकासा करल बा । २०८० साल कार्तिक १७ गतेके भूकम्पसे घर क्षति हुइल लाभग्राही कायम हुइल प्रभावितमध्ये ७०१ जानेके आवास निर्माणके लग रकम निकासा भहुइलके जिल्ला प्रशासन कार्यालय जनैले बा ।

मंगरके हुइल जिल्ला विपत् व्यवस्थापन समितिके बैठकमे प्रमुख जिल्ला अधिकारी निशानराज गौतमसे पहिल किस्ता निकासा करल जानकारी डेलै । लाभग्राहीमध्ये ७६६ जानेके लग पहिल किस्ताके रकम माग करलमे ७०१ जाने किल रकम आइल सम्बन्धित पालिकामे निकासा पठाइसेकल उहाँ बटैलै । प्रजिअ गौतमके अनुसार गत सावन २६ गते हुइलके जिल्ला विपत् व्यवस्थापन समितिके बैठकसे चार पालिकाके ७६६ जाने लाभग्राहीके आवास निर्माणके लग पहिल किस्ता माग कैना निर्णय करल रहे मने राष्ट्रिय विपत् जोखिम न्यूनीकरण ओ व्यवस्थापन प्राधिकरणसे भर ७०१ जानेके लग ५० हजारके दरसे तीन करोड ५० लाख ५० हजार रकम आइल रहे ।

उ रकम सम्बन्धित पालिकाके स्थानीय विपत् व्यवस्थापन समितिके खातामे पठाइसेकल प्रजिअ गौतम जनैले बटै । भूकम्प प्रभावित निजी आवास पुनर्निर्माण कार्यविधि, २०८० (संशोधनसहित) बमोजिम सम्झौता करके आवश्यक कागजात ओ प्रक्रिया पूरा करल लाभग्राहीके लग आवास निर्माणके अनुदान माग करल रहे । पुनर्निर्माणके लग प्रतिलाभग्राही ५० हजारके दरसे मुसीकोट नगरपालिकाका ६५ जाने, चौरजहारी नगरपालिकाके १६२, त्रिवेणी गाउँपालिकाके ३०२ ओ सानीभेरी गाउँपालिकाके २३७ जाने लाभग्राहीके लग पहिल किस्ता माग करल रहे मने मुसीकोटके ६५ लाभग्राहीके विवरणमे कुछ अपुग हुइलपाछे अन्य पालिकाके लाभग्राहीके लग किल रकम आइल रहे । ओस्टेक करके बैठकसे थप ९८९ जानेके आवास निर्माणके लग पहिल किस्ताके रकम माग कैना निर्णयफे करल बा । आठबिसकोट ओ मुसीकोट नगरपालिकाके ९८९ लाभग्राहीके लग आवास निर्माणके रकम माग करल हो । आवश्यक सम्पूर्ण प्रक्रिया पूरा हुइल स्थानीय तहसे सिफारिस हुइटी आइलके आठबिसकोटके ९६४ जाने ओ मुसीकोटके २५ जाने लाभग्राहीके लग पहिल किस्ता माग करल होरु आवास पुनर्निर्माणके लग प्रतिलाभग्राही ५० हजारके दरसे पहिल किस्ताको लग आवश्यक पर्ना चार करोड ९४ लाख ५० हजार रुपयाँ माग करल प्रशासन कार्यालय जनैले बा ।

जिल्ला प्रशासन कार्यालयके तथ्याङ्क अनुसार रुकुमपश्चिममे ३२ हजार ९९६ घरधुरी लाभग्राही कायम हुइल रहे । जोन मध्ये ३० हजार ८५० जानेके क्षति विस्तृत विवरण प्राधिकरणसे तयार करल बा । उ मध्ये कार्यविधि अनुसार प्रक्रिया पुगलके आवास निर्माणके लग किस्ता माग सुरु हुइल बा ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू



- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटासे उडान, हिमाचलमे प्रजनन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २१ कार्तिक । नेपालमे स्याटेलाइट जडान करल दुर्लभ डङगुर गिद्ध अन्तर्राष्ट्रिय सिमाना पार करके भारतके हिमाचल प्रदेशमे बच्चा कोरल्लमे व्यस्त रहल फेला परल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जसे करिब छ सय किलोमिटर टाढा उडान भरके हिमाचल प्रदेश पुगलके डङगुर गिद्धसे अन्तर्राष्ट्रिय सिमाना पार करके ओस्टेक पहिल चो प्रजननमे व्यस्त हुइल देखलके पुष्टि हुइल होरु। २०२६ मार्च १६ मे शुक्लाफाँटामे उ गिद्धहे स्याटेलाइट ट्याग करल रहे ।

३७६७७१ जिपिएस नम्बर रहलके दुर्लभ डङगुर गिद्ध स्याटेलाइट ट्याग करल एक हप्ता शुक्लाफाँटासहित आसपासमे बैठके अन्तर्राष्ट्रिय सीमा पार करल रहे ।

नेपालमे चराके क्षेत्रमे काम करटी आइलके नेपाल पन्छी संरक्षण सङ्घ (बिसिएन) के अनुसार अन्तर्राष्ट्रिय सिमाना पार करके हिमाचल प्रदेशओर गिलके गिद्धहे भारतीय अनुसन्धानकर्ता माल्याश्री भट्टाचार्य गुँड बनाइटीरहलके



अवस्थामे फेला पारटी रहल बा ।

इन्टरनेसनल युनियन फर कन्जरभेसन अफ नेचर (आइयुसिएन) एसएससी भल्चर स्पेसियलिस्ट ग्रुपके सदस्यसमेत रहलके भट्टचार्यसे नोभेम्बर ४ मे हिमाचल प्रदेशके पोङ्ग एरियामे उ गिद्धहे फेला पारेकहुइल हो । सल्लाके रुख्वामे गुँडमे बैठलके अवस्थामे भट्टाचार्यसे उ गिद्धके तस्बिरसमेत कैद करल बा । जोडीके खोजीमे गिद्ध डुर डुर सम भौंतारटी करल जनैल बा ।

उहे सिलसिलामे इ गिद्ध लम्बा दुरीके उडान तय करके हिमाचल प्रदेश पुगलके बिसिएनके फिल्ड अफिसर एवं चराविद् हिरूलाल डङगौराके कहाइ बा । उहाँसे शुक्लाफाँटामे स्याटेलाइट ट्याग करल गिद्ध शुक्लाफाँटासे उत्तराखण्डके जिम कर्बेट नेसनलपार्क, देहरादुन हुइटी हिमाचल प्रदेश पुगलके उल्लेख करल बटै । बिसिएनके अनुसार एकरआघे नेपालमे स्याटेलाइट ट्याग करलके गिद्ध पाकिस्तानके सिमानासम पुगलके उदाहरण बा ।

ओस्टेक अन्तर्राष्ट्रिय सिमाना पार करके ब्रिडिङमे सक्रिय हुइल भर इ पहिल घटना होरु। अपन जोडी खोज्न अद्भुत तरिकासे लम्बा यात्रा तय करल डङगुर गिद्ध अब्बेके छ महिनासम ब्रिडिङमे व्यस्त रहल बिसिएनके गिद्ध संरक्षण कार्यक्रमके प्रबन्धक अक्तिविलाश जोशी बटैले बटै ।

उहाँ कहलै, "स्याटेलाइट ट्याग करल गिद्ध गत मार्चमे भारतओर गिल रहे । उ गिद्धके बारेमे हम्रे माल्याश्री भट्टाचार्यहे जानकारी करल रहे । उहाँसे नेपालसे गिलके गिद्ध पहिल चो कोटका बनैल फेला पारल बा । नोभेम्बरसे मार्चसम ब्रिडिङ पिरियड हो ।"

जोशीके अनुसार हिमाचल प्रदेशमेफे गिद्धके भारी 'कोलोनी' बा । नेपालसे गिलके गिद्ध ओकरमे मिसाइल बा । गिद्ध आहाराके खोजीमे किल एक दिनमे एक सयसे दुई सय किलोमिटरसम उडान भरेसेक्ना करल हिमाचल प्रदेश पुगल इ गिद्ध ब्रिडिङपाछे शुक्लाफाँटा लौटना फे सेक्ना उहाँके कहाइ बा ।

आघे वर्ष नवलपुरके कावासोतीसे करिब छ हजार किलोमिटर नेपाल-भारत वारपार करटी स्याटेलाइटजडित डङगर गिद्ध कैलाली पुगल रहे ।

गेटामे .....

मन्त्रालयके एक सहसचिव ओ डा. केसीके ओरसे विजयबाबु शिवाकोटी ओ डा. अमृत जैसी सहभागी कार्यदल गठन करल बा । कार्यदलमे सांसद पुकार बम ओ नेपाल मेडिकल एसोसिएसनके अध्यक्ष डा. बद्री रिजालसमेत रहल बटै । कार्यदलसे सहमति कार्यान्वयनके अवस्थाबारे अनुगमन कैना महिनामे कम्तीमे एक चो बैठक करल बा ।

बीमालेख हराएको सूचना

यही मिति २०८३ भदौ ४ गते महेन्द्रनगरबाट धनगढी आउने क्रममा सुरेशप्रसाद पनेरुको नाममा रहेको सन नेपाल लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेडद्वारा जारी गरिएको बीमालेख नम्बर ७०२०००००६१९६ हराएको हुँदा उक्त बीमालेख फेला पार्नुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाइदिनुहुन विनम्र अनुरोध गर्दछु ।

सम्पर्क व्यक्ति: **सुरेशप्रसाद पनेरु** मो. ९८६८४५६२४३

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

निगमके कारोबार डिजिटल बनैटि

काठमाडौँ, २१ कार्तिक । नेपाल आयल निगम प्रशासनिक ओ आर्थिक कारोबारहे डिजिटल बनैना लागु करे लागल इन्टरप्राइज रिसोर्स प्लानिङ (इआरपी) परियोजना छ वर्ष हुइलेसे फेन पूरा हुइ सेकल नैहो । निर्माणके २४ महिना ओ कार्यान्वयन तथा मर्मतसम्भारके लाग ३६ महिनामे ओरैना मेरिक २०७७ सावन ४ गते सम्झौता हुइल परियोजनाके काम अभिन १२ प्रतिशत बाँकी बा ।

तीन वर्षमे ओरवैना लक्ष्य रहलमे काम नैओराके म्याद थप कैके हाले नियोटेरिक नियो सफ्टवेयर जेमिङसे निगमहे सञ्चालन हस्तान्तरण करले बा । थप म्याद करलेसे फेन थपल निगमके इआरपी परियोजना जनैले रहे । नियोटेरिक नियो सफ्टवेयर जेमिङ सार्वजनिक खरिद ऐन, २०६३ तथा सार्वजनिक खरिद नियमावली, २०६४ बमोजिम प्रतिस्पर्धात्मक बोलपत्र प्रक्रियासे छनोट हुइल रहे ।

कुल २२ करोड ८७ लाख १४ करोड रुपियाँमे उ परियोजना ठेक्का सम्झौता रहे । इआरपी परियोजनाके प्रमुख प्रदीवकुमार यादव मर्मतसम्भारके छोट काम बाँकी रलेसे फेन परियोजना परीक्षणके काम सफल होके निगमके स्वामित्वमे आइल जानकारी डेलैं । १९ करोड ४१ लाख आठ हजार रुपियाँ भुक्तानी हुइल ओ बाँकी १५.१३ प्रतिशत रकम सम्झौताके सर्त तथा परियोजनाके अन्तिम स्वीकृतिपाछे भुक्तानी करना निगम जनैले बा ।

इआरपी कार्यान्वयसँगे तीन खर्बसे ढेरके पेट्रोलियम पदार्थ कारोबार पूर्ण रूपमे डिजिटल हुइल यादव जानकारी डेलैं । प्रणालीसे निगमके बिक्री, वितरण, वित्त, लेखा, खरिद, भण्डारण तथा मानव संसाधनलगायतके कामहे एक एकीकृत सफ्टवेयर प्रणालीमे जोरल निगम जनैले बा ।

इआरपी प्रणाली कार्यान्वयनसँगे निगमके देशभरके एक हजार पाँचसे ढेर डिलर, ६० बोटलर तथा ४३ एयरलाइन्स ओ एयरलाइन्स एजेन्टसे निगमके डिपोमे भौतिक रूपमे उपस्थित नैहोके अनलाइनसे पेट्रोलियम पदार्थके माग प्रविष्ट करना, डिजिटल भुक्तानी करना तथा अपन कारोबारके विवरण हेरे सेक्ना सुविधा पैले बा ।

दीपावली मनाउँदा ध्यान दिऔं

- दियो, मैनबत्ती बाल्दा आगोले टिप्ने सामान नजिक नराखौं,
- मैनबत्ती, दियो बालिसके पछि ननिभेसम्म निगरानी गरौं,
- यस्तो समयमा विद्युत सट भई आगो लाग्ने सम्भावना भएकोले सचेत बनौं,
- विद्युतीय प्लगको क्षमता अनुसार मात्र बत्तीको प्रयोग गरौं,
- पटाका तथा अन्य प्रज्वलनशील वस्तुको प्रयोग नगरौं ।



आगजनीबाट बचौं र बचाऔं ।

नेपाल सरकार

विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,